चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22-9-23	5 --	1-5 --

कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की जरूरत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. कम्बोज

● हकृवि में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

हिसार, 21 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एच.ई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमैंट ऑफ बॉटनी व प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय 'बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग' रहा।

इस अवसर पर इजराइल से आए डा. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डा. पेजमान व डा. रोमन फर्नेंडेज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं।

कार्यशाला में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन करते हुए।

इसके लिए ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटैलिजैंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रूचि पर भी चिंता जताई।

इसके लिए उन्होंने सैंसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने दिसंबर माह में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का जिक्र करते हुए कार्यशाला में विदेशों में पहुंचे मेहमानों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया।

कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी: डा. सूर्यकांत

कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डा. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इज केयरिंग' स्लोग्न का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमेशा उसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, सेंसर, कैमरा व सांख्यायिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया।

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के झज्जर, जींद, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी व सोनीपत जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण दौरान डा. संदीप भाकर, डा. जगदीप सिंह, डा. विकास कंबोज, डा. डी.के. शर्मा, डा. राकेश चुघ, डा. अमोघवर्षा, डा. सरदूल मान, डा. भूपेन्द्र सिंह, डा. पवित्रा पुनिया व डा. विकाश हुड्डा ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-9-23	3 --	1-4-

भास्कर खास • एचएयू में 10 दिनी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन पर बोले वीसी

संसाधन साझा कर विकसित कर सकते हैं तकनीक

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन समारोह के दौरान एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एच.ई .पी.-आई.डी .पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी ने किया, जिसका मुख्य विषय 'बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग' रहा।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन करते हुए।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए ए.आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. विनोद गोयल ने किया, साथ ही कार्यशाला दौरान बीते 10 दिन में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कार्यशाला छात्रों में नई ऊर्जा का संचार करेगी

कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इज केयरिंग' स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमेशा उसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज़, सेंसर, कैमरा व सांख्यायिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-9-23	3	7-8

श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रुचि पर चिंता जताई

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन करते हुए। • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट आफ बाटनी एवं प्लांट फिजियोलाजी द्वारा किया गया था। उसका मुख्य विषय ''बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलाजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग'' रहा।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए एआइ (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रुचि पर भी चिंता जताई। इसके लिए उन्होंने सेंसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आह्वान किया। कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया।

कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डा. सूर्यकांत ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। इस अवसर पर इजराइल से आए डा. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डा. पेजमान व डा. रोमन फर्नेडेज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मंच संचालन डा. विनोद गोयल ने किया।

कार्यशाला के पाठ्यक्रम निदेशक व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता व आइडीपी इंचार्ज डा. केडी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	22-9-22	5 --	4-8--

हकृवि में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

कृषि क्षेत्र में गंभीर समस्यों के शीघ्र निवारण वाली तकनीक की जरूरत: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एच.ई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय 'बेहतर' फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग' रहा।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है, जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक-दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे बाढ़, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्ताशील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है।

कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डॉ. पेजमान व डॉ. रोमन फनेडेंज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-9-17	5 --	4-8

कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की जरूरत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. काम्बोज़

हकृवि में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

हिसार, 21 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एच.ई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय "बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग" रहा। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे बाढ़, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्ताशील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रूचि पर भी चिंता जताई। इसके लिए उन्होंने सेंसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने दिसंबर माह में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का जिक्र करते हुए कार्यशाला में विदेशों में पहुंचे मेहमानों को आमंत्रित किया और ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया। कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इज केयरिंग' स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमेशा उसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, सेंसर, कैमरा व सांख्यायिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया। उन्होंने अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि हमेशा इस विश्वविद्यालय में आना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में नई ऊंचाईयां छू रहा है। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डॉ. पेजमान व डॉ. रोमन फर्नेंडेज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. विनोद गोयल ने किया, साथ ही कार्यशाला दौरान बीते 10 दिनों में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यशाला के पाठ्यक्रम निदेशक व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता व आईडीपी इंचार्ज डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ मौजूद वैज्ञानिक, शिक्षक व प्रतिभागी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
वीर भूमि	22-9-23	10 --	4-8

हकृवि में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

कृषि के क्षेत्र में नई तकनीकें विकसित करने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एनएएचईपी-आईडीपी) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग रहा। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए एआई (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे बाढ़, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्ताशील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रूचि पर भी चिंता जताई। आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डॉ. पेजमान व डॉ. रोमन फर्नेडेंज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए।

हिसार। अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-9-23	2 --	5-6 --

एआई, मशीन लर्निंग व इमेजिज तकनीक आज शोध की जरूरत : प्रो. बीआर कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि यह बदलाव और सीखने का समय है।

जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। एआई (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीक विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके।

कुलपति ने कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया। आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने 'शेयरिंग इज केयरिंग' स्लोग्न का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। उन्होंने एआई तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, सेंसर, कैमरा व सांख्यायिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राइबिन डेविड, फ्रांस से आए डॉ. पेजमान, डॉ. रोमन फर्नेडेज ने भी व्याख्यान दिए। डॉ. विनोद गोयल ने 10 दिनों में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	21.9.2023	--	--

कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की जरूरत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 21 सितंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एच.ई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय "बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग" रहा। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और खोजने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर उस समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे वायु, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए, संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्ताशील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रुचि पर भी चिंता जताई। इसके लिए उन्होंने सेंसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने दिसंबर माह में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का जिक्र करते हुए कार्यशाला में विदेशों से पहुंचे मेहमानों को आमंत्रित किया और ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया।

कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इज केयरिंग' स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमेशा इसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिंग, सेंसर, कैमरा व सांख्यिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया। उन्होंने अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि हमेशा इस विश्वविद्यालय में आना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में नई ऊंचाईयां छू रहा है। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. गाईबिन डेविड और फ्रांस से आए डॉ. बेंजमान व डॉ. रोमन फर्नेंडिज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. विनोद गोयल ने किया, साथ ही कार्यशाला दौरान बीते 10 दिनों में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यशाला के पाठ्यक्रम निदेशक व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता व आईडीपी इंचार्ज डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

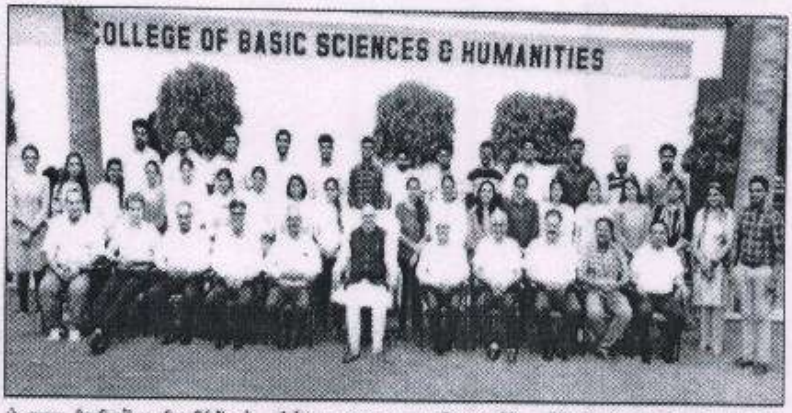

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.9.2023	--	--

हकृवि में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला हुई संपन्न

संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं : कुलपति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन समारोह के दौरान कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन करते हुए।

उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे बाढ़, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्ता

शील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	21.9.2023	--	--

युवाओं की खेती में कम रूचि चिंता का विषयः प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 21 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय 'बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग' रहा। प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सीखने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर सकते हैं। इसके लिए एआई (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिज जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे बाढ़, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और युवाओं की खेती में कम रूचि पर भी चिंता जताई। इसके लिए उन्होंने सेंसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आह्वान किया। कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया।

ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती: डॉ. सूर्यकांत

कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने शेयरिंग इज केयरिंग स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमेशा उसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिज, सेंसर, कैमरा व सांख्यिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया। उन्होंने अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि हमेशा इस विश्वविद्यालय में आना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में नई ऊंचाईयां छू रहा है। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राईबिन डेविड और फ्रांस से आए डॉ. पेजमान व डॉ. रोमन फर्नेडेंज ने भी कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए।

कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. विनोद गोयल ने किया, साथ ही कार्यशाला दौरान बीते 10 दिनों में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यशाला के पाठ्यक्रम निदेशक व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता व आईडीपी इंचार्ज डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	21.9.2023	--	--

हकृवि में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की जरूरत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	21.9.2023	--	--

कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित करने की जरूरत जो गंभीर समस्याओं का शीघ्र करें निवारण : प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 21 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना-संस्थागत विकास योजना (एन.ए.एच.ई.पी.-आई.डी.पी.) प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी द्वारा किया गया था, जिसका मुख्य विषय ''बेहतर फसल प्रजनन के लिए फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स का अनुप्रयोग'' रहा। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह बदलाव और सोचने का समय है जिसमें कोई भी एकांत में रहकर काम नहीं कर सकता। हम संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा करके अच्छी तकनीकों को विकसित कर

सकते हैं। इसके लिए ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और इमेजिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके शोध को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा समय की मांग है कि कृषि के क्षेत्र में ऐसी तकनीकें विकसित की जाएं, जिससे कृषि में आने वाली गंभीर समस्याओं का समय से पहले पता लगाकर कम समय में उसका निवारण किया जा सके। उन्होंने कहा आजकल तेजी से बदलती पर्यावरण गतिविधियां जैसे बाढ़, बढ़ता तापमान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए संसाधनों का संरक्षण व सही प्रयोग आवश्यक है। इसी प्रकार ज्यादा मात्रा में गुणवत्ताशील अनाज पैदा करने के लिए पोषक तत्व, उपयोग क्षमता, संसाधनों का एकीकरण और उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने खेती में श्रमिकों की कमी और चुनौतियों को खेती में कम रूचि पर भी चिंता जताई। इसके लिए उन्होंने सेंसर जैसी उच्च स्तर की तकनीकों का इस्तेमाल कर युवाओं को खेती की तरफ आकर्षित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने दिसंबर माह में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का जिक्र करते हुए कार्यशाला में विदेशों में पहुंचे मेहमानों को आमंत्रित किया और ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा कार्यशाला के मैनुअल का विमोचन किया गया। कार्यशाला में आस्ट्रेलिया से आए वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत ने इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। साथ ही उन्हें नई दिशा भी दिखाएगी। उन्होंने 'शेयरिंग इज केयरिंग' स्लोगन का इस्तेमाल कर कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, हमेशा इसे बांटने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने ए.आई. (आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को कृषि का भविष्य और इमेजिंग, सेंसर, कैमरा व सांख्यिकी विश्लेषण को महत्वपूर्ण विषय बताया। उन्होंने अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि हमेशा इस विश्वविद्यालय में आना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में नई ऊंचाईयां छू रहा है। इस अवसर पर इजराइल से आए डॉ. राईचिन डेविड और फ्रांस से आए डॉ. पैजमान व डॉ. रोमन फर्नेंडेज ने भी कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों बारे व्याख्यान दिए। कार्यशाला में मंच संचालन डॉ. विनोद गोयल ने किया, साथ ही कार्यशाला दौरान बीते 10 दिनों में हुई गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यशाला के पाठ्यक्रम निदेशक व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत किया, जबकि सलाहकार शिक्षा अधिष्ठाता व आईडीपी इंचार्ज डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-9-23	5 --	6-8--

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ।

हिसार, 21 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के झज्जर, जींद, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी व सोनीपत जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चिता के साथ-साथ वायु प्रदूषण से भी निजात मिलेगी। उन्होंने बताया कि खासकर भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते है तथा सारा वर्ष भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहला ने बताया कि मशरूम की विभिन्न प्रजातियां उगाकर पूरा वर्ष इसका उत्पादन किया जा सकता है। देश तथा प्रदेश सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. संदीप भाकर, डॉ. जगदीप सिंह, डॉ. विकास कंबोज, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा पुनिया व डॉ. विकाश हुड्डा ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-9-23	9 --	1 --

हकृवि में तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के झज्जर, जींद, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी व सोनीपत जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-9-17	9 --	1 --

मशरूम का उत्पादन कम लागत में हो सकता है शुरू

जासं, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साग्रना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम उत्पादन कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-9-23	5 --	4 --

हकृवि में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज

हिसार, 21 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया जा रहा है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्षा डॉ. विनोद कुमारी ने बताया कि यह कार्यशाला 22 सितंबर को प्रातः 11 बजे आरम्भ होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-9-23	1 --	1-2

हकृवि में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका पर कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया जा रहा है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.9.2023	--	--

हकृवि में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 22 सितंबर को

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया जा रहा है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगें। समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्षा डॉ. विनोद कुमारी ने बताया कि यह कार्यशाला 22 सितंबर को प्रातः 11 बजे आरम्भ होगी।